श्रीरामशरणम्, नई दिल्ली

(8-ए, रिंग रोड, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली)

निवेदन

1. सबसे निवेदन है कि जो साधक/साधक परिवार श्री अधिष्ठान जी प्राप्त करने के इच्छुक हैं वे अपने स्थानीय केन्द्र के संचालक/प्रबन्धक जो पहले से ही श्री अधिष्ठान जी के लिए नाम एकत्रित करके भेजते थे, उनको आवेदन करें। साधक कृपया उन्हें वांछित जानकारी (जैसे कि नाम दीक्षा लेने वाले साधक का नाम, आयु, किस वर्ष में, कहां पर नाम दीक्षा ली, परिवार में साथ रहते अन्य दीक्षित सदस्यों का विवरण, घर में श्री अधिष्ठान जी को आदरपूर्वक स्थापित करने का स्थान आदि-आदि) जो प्रोफार्मा में भरी जाती है, दे देवें। इसके बाद श्रीरामशरणम्, नई दिल्ली से चयनित साधकों को इसकी सूचना दे दी जाएगी और श्री अधिष्ठान जी देने के बारे में स्थान और समय भी सूचित कर दिया जाएगा।

2. अनेक स्थानों पर श्रीरामशरणम् में नियमित रूप से साप्ताहिक सत्संग कार्यक्रमों में स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज के विडियो प्रवचन दिखाए जाते हैं। देखने में आया है, इससे साधकों की संख्या में 10-20% की वृद्धि हुई है। आप से निवेदन है कि विडियो प्रवचन सप्ताह में कम से कम एक बार तो अवश्य दिखाए जाएँ। कृपया यह सुनिश्चित करें कि विडियो के प्रसारण में विडियो और आडियो क्वालिटी का बेहतरीन प्रबन्ध हो। सामान्यतया विडियो प्रवचन सत्संग के अन्त में ही दिखाए जाएँ। जिन श्रीरामशरणम् केन्द्रों में अभी तक विडियो सी.डी. नहीं मिले वे कृपया अपने राज्य की समिति के माध्यम से इसके लिए आवेदन करें।

3. ब्रह्मलीन श्रद्धेय स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज द्वारा कुछ केन्द्रों में प्रार्थना कोष स्थापित किए गए थे एवं प्रार्थना सभा सुचारु रूप से अपना कार्य कर रही है। आप से निवेदन है कि प्रार्थना सभा का स्वरूप, सदस्यता एवं गोपनीयता श्री महाराज जी के निर्देशानुसार पहले की तरह ही बनाए रखें।

4. यदि आपको श्रीरामशरणम् की वर्तमान व्यवस्था के बारे में कोई स्पष्टीकरण (Clarification) चाहिए तो कृपया स्थानीय संचालक/मुख्य प्रबन्धक के माध्यम से या सीधे श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट नई दिल्ली से ले लें। किसी भी प्रकार की अफवाहों या अन्य शंका का निवारण भी इसी माध्यम से करें।

5. स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज के निर्वाण के उपरान्त श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट ने सभी साधकों को तीनों गुरुजनों की जीवन शैली, विचारधारा एवं शिक्षाओं को सर्वदा जीवन्त गुरु मानने का परामर्श दिया था। ट्रस्ट ने गुरुजनों के उच्चतम आदर्शों एवं निर्देशों के अनुसार साधकों को आध्यात्मिक प्रगति के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा दी। इसके पश्चात् भी कई साधकों की भविष्य में 'नाम दीक्षा' के बारे में जिज्ञासाएँ एवं शंकाऐं सामने आई हैं। इस संदर्भ में स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट नई दिल्ली, सभी राज्यों व केन्द्रों के चयनित वरिष्ठ साधकों से विचार विमर्श करने के लिए संभवतः दिसम्बर में दिल्ली में मीटिंग बुलाएगी।

6. श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट नई दिल्ली ने निर्णय लिया है कि एक त्रैमासिक पत्रिका 'सत्य साहित्य' के नाम से बहुत ही कम कीमत पर श्रीरामशरणम् नई दिल्ली से प्रकाशित की जाएगी। यह

कृपया पृष्ठ पलटिए

हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होगी। इसमें गुरुजनों के ग्रन्थों, प्रवचनों आदि से संकलित साधना उपयोगी सामग्री होगी। आप सब से निवेदन है कि अगर गुरुजनों के सभी-साधकों के लिए कोई उपयोगी पत्र आपके पास हैं, आप कृपया उन्हें प्रमाण (Authentic Proof) के साथ श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट को भेजें जो उसकी सार्वजनिक उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए छापने या न छापने का निर्णय लेंगे। इस पत्रिका का प्रथम अंक 2 जनवरी 2013 को प्रकाशित होने की संभावना है। इसमें श्रीरामशरणम् नई दिल्ली के केन्द्रों की गतिविधियों के बारे में विवरण एवं भविष्य में होने वाली गतिविधियों के बारे में सूचना भी होगी। अपने पत्र सीधे इस पते पर भेजें।

'सत्य साहित्य' श्रीरामशरणम्, 8-ए, रिंग रोड, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली - 110024

गतिविधियां

1. 5 सितम्बर, 2012 को दोरांगला जिला गुरदासपुर में नवनिर्मित श्री अमृतवाणी सत्संग हॉल का विधिवत उद्घाटन श्री महाराज जी के किसी उद्घाटन में दिए हुए विडियो प्रवचन के साथ किया गया और विशाल जनसमूह ने वर्षा में भी पूरे भाव चाव में भाग लिया। दूर-दूर के शहरों से अनेक साधक भी सम्मिलित हुए।

2. 7 सितम्बर से 9 सितम्बर तक गुरदासपुर (पंजाब) में खुला सत्संग लगा जिसमें 900 साधक श्रीरामशरणम् परिसर में रहकर सम्मिलित हुए। खुली सभा में संख्या 12-13 हजार तक रही। साधकों ने पूरे भाव-चाव से सत्संग में भाग लिया। प्रभु राम एवं गुरुजनों का बल काम करता हुआ दृष्टिगोचर हुआ। अनेक साधकों को स्वामी डा० विश्वामित्र जी महाराज की सान्निध्यता की अनुभूति हुई।

3. परम पूज्य श्री प्रेम जी महाराज के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में हरिद्वार में साधना सत्संग 3 अक्तूबर 2012 को सम्पन्न हुआ। इस सत्संग में 424 साधक सम्मिलित हुए। साधना सत्संग में श्रद्धेय डा० विश्वामित्र जी महाराज के सूक्ष्म रूप में उपस्थिति होने की अनुभूति सब साधकों को हुई एवं श्री महाराज जी के विडियो प्रवचनों से श्री महाराज जी की भौतिक अनुपस्थिति कम खली। साधना सत्संग में सभी साधकों ने श्रद्धा पूर्वक साधना करी और नियमों व अनुशासन का पूरी तरह पालन किया।

4. रोहतक (हरियाणा) में प्रचार के लिए 6 एवं 7 अक्तूबर को पहला खुला सत्संग लगा जिसमें 183 साधक श्रीरामशरणम् परिसर में रुके। खुली सभा में संख्या 1200 - 1300 रही।

5. श्रीरामशरणम् नई दिल्ली में हर माह की 2 तारीख को दैनिक सत्संग में अमृतवाणी संकीर्तन के बाद प्रात: 7.40 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक अखण्ड जाप होगा। अपराह्न 4.00 बजे से सायं 7.00 बजे तक श्री सुन्दरकांड का पाठ होगा जिसकी पूर्ति भजन कीर्तन के साथ होगी। यदि 2 तारीख को रविवार है तो साप्ताहिक सत्संग के पश्चात् अखण्ड जाप प्रारम्भ होगा।

निवेदक :

श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट

"**श्रीरामशरणम्**" 8-ए, रिंग रोड़,
लाजपत नगर -4, नई दिल्ली-110024